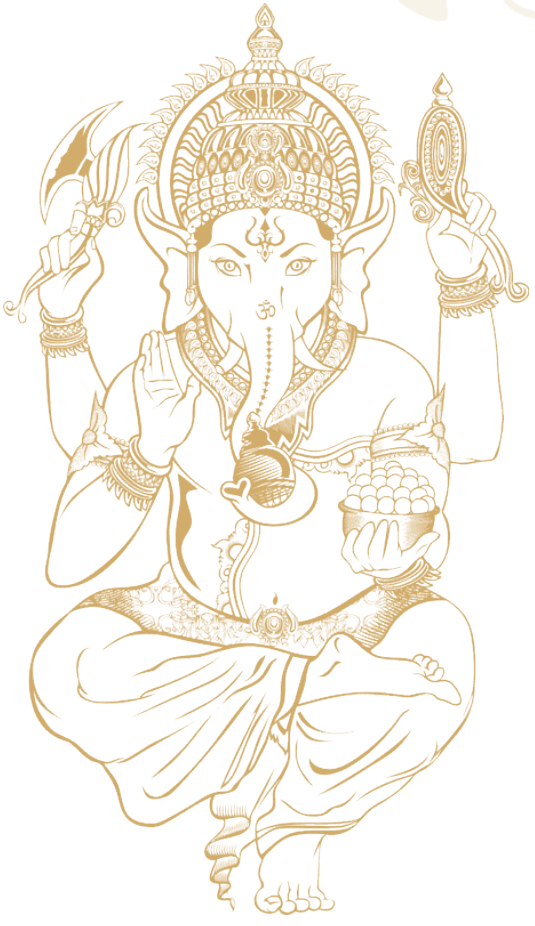

Anurag

07 Aug 1999

02:07 PM

Lucknow

Model: web-freekundliweb

Order No: 121066803

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**07/08/1999**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**14:07:00 घंटे**
इष्ट	21:23:16 घटी
स्थान	**Lucknow**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:50:00 उत्तर
रेखांश	80:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:06:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:00:36 घंटे
वेलान्तर	-00:05:50 घंटे
साम्पातिक काल	11:02:19 घंटे
सूर्योदय	05:33:41 घंटे
सूर्यास्त	18:50:16 घंटे
दिनमान	13:16:35 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	20:34:05 कर्क
लग्न के अंश	12:13:31 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	व्याघात
करण	बव
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वे-वेद
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	12:13:31	311:11:13	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	---
सूर्य			कर्क	20:34:05	00:57:30	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			वृष	25:45:18	14:27:01	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मूलत्रिकोण
मंगल			तुला	20:47:15	00:31:48	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	सम राशि
बुध			कर्क	04:48:58	00:07:59	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
गुरु			मेष	10:37:25	00:03:27	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र	व		सिंह	09:56:03	00:19:25	मघा	3	10	सूर्य	केतु	शनि	शत्रु राशि
शनि			मेष	22:52:51	00:02:22	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	नीच राशि
राहु			कर्क	19:06:40	00:00:17	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	शत्रु राशि
केतु			मक	19:06:40	00:00:17	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	20:59:04	00:02:24	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
नेप	व		मक	08:48:21	00:01:35	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	13:55:37	00:00:23	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			सिंह	20:29:45	--	पू०फाल्गुनी	--	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:53

लग्न-चलित

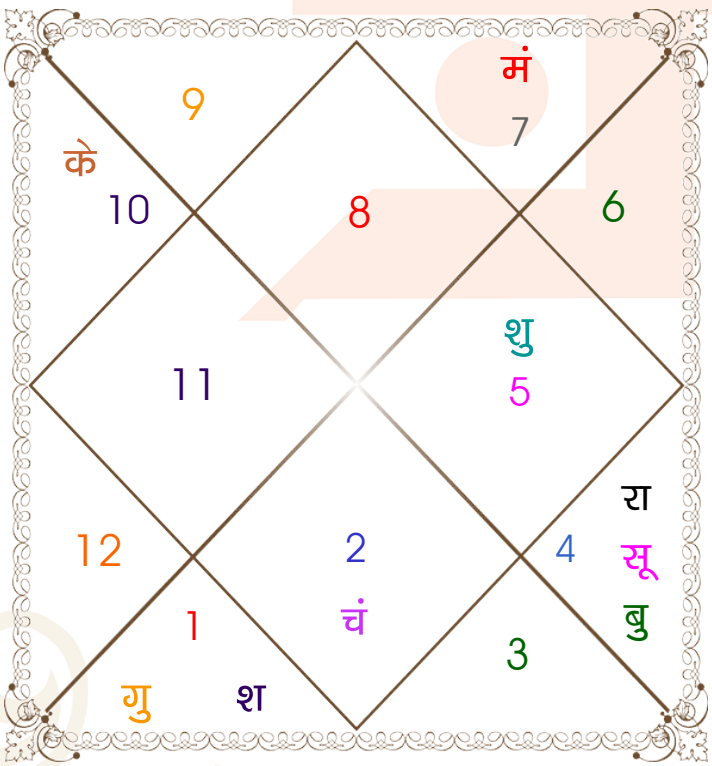

चन्द्र कुंडली

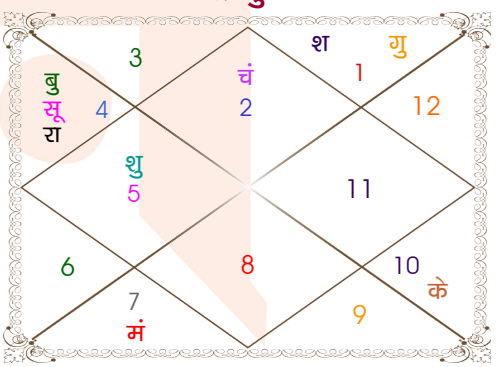

नवमांश कुंडली

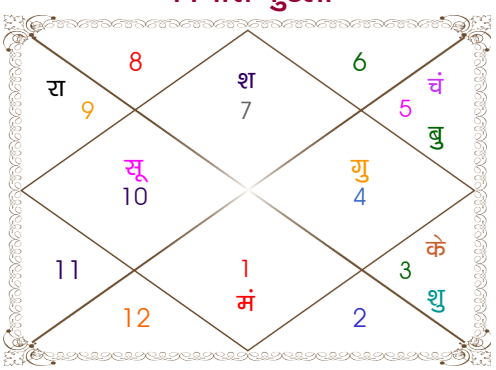

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 5 वर्ष 8 मास 22 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
07/08/1999		29/04/2005		30/04/2023		30/04/2039		30/04/2058	
29/04/2005		30/04/2023		30/04/2039		30/04/2058		30/04/2075	
	07/08/1999	राहु	11/01/2008	गुरु	17/06/2025	शनि	03/05/2042	बुध	25/09/2060
राहु	14/10/1999	गुरु	05/06/2010	शनि	29/12/2027	बुध	10/01/2045	केतु	23/09/2061
गुरु	19/09/2000	शनि	11/04/2013	बुध	05/04/2030	केतु	19/02/2046	शुक्र	23/07/2064
शनि	29/10/2001	बुध	30/10/2015	केतु	12/03/2031	शुक्र	20/04/2049	सूर्य	30/05/2065
बुध	26/10/2002	केतु	16/11/2016	शुक्र	10/11/2033	सूर्य	02/04/2050	चंद्र	29/10/2066
केतु	24/03/2003	शुक्र	17/11/2019	सूर्य	29/08/2034	चंद्र	02/11/2051	मंगल	27/10/2067
शुक्र	24/05/2004	सूर्य	11/10/2020	चंद्र	29/12/2035	मंगल	10/12/2052	राहु	15/05/2070
सूर्य	28/09/2004	चंद्र	11/04/2022	मंगल	04/12/2036	राहु	17/10/2055	गुरु	20/08/2072
चंद्र	29/04/2005	मंगल	30/04/2023	राहु	30/04/2039	गुरु	30/04/2058	शनि	30/04/2075

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
30/04/2075		30/04/2082		01/05/2102		30/04/2108		01/05/2118	
30/04/2082		01/05/2102		30/04/2108		01/05/2118		00/00/0000	
केतु	26/09/2075	शुक्र	29/08/2085	सूर्य	18/08/2102	चंद्र	01/03/2109	मंगल	27/09/2118
शुक्र	25/11/2076	सूर्य	29/08/2086	चंद्र	17/02/2103	मंगल	30/09/2109	राहु	08/08/2119
सूर्य	02/04/2077	चंद्र	29/04/2088	मंगल	25/06/2103	राहु	01/04/2111		00/00/0000
चंद्र	01/11/2077	मंगल	29/06/2089	राहु	18/05/2104	गुरु	31/07/2112		00/00/0000
मंगल	30/03/2078	राहु	29/06/2092	गुरु	07/03/2105	शनि	01/03/2114		00/00/0000
राहु	18/04/2079	गुरु	28/02/2095	शनि	17/02/2106	बुध	31/07/2115		00/00/0000
गुरु	24/03/2080	शनि	30/04/2098	बुध	24/12/2106	केतु	29/02/2116		00/00/0000
शनि	03/05/2081	बुध	01/03/2101	केतु	01/05/2107	शुक्र	30/10/2117		00/00/0000
बुध	30/04/2082	केतु	01/05/2102	शुक्र	30/04/2108	सूर्य	01/05/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 5 वर्ष 8 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अनुराधा नक्षत्र के तृतीय चरण में वृश्चिक लग्न के उदयकाल में हुआ था। आपका जन्म तुला नवमांश एवं मीन के द्रेष्काण के प्रभाव से लग्न का प्रभाव अति उच्चाकांक्षी एवं प्रभावशाली प्रतीत होता है एवं सूचित करता है कि आप मात्र निष्कपट प्राणी ही नहीं है, बल्कि आप सर्वथा धनी एवं संभव वैदेशिक परिभ्रमण परिदर्शनार्थी होंगे। आपमें घूमने फिरने की उत्कट लालशा विद्यमान है। आपको कतिपय वैदेशिक भूमि का परिभ्रमण क्रम में कार्य-व्यवसाय की अनुकूलता की संभावनाओं के कारण विदेश में अपना निवास भी बना सकते हैं।

आप अपने जीवन के उद्देश्यित कार्य संपादन हेतु समर्थ होंगे। आप अच्छी प्रकार यह जानते हैं कि लोगों के द्वारा किस प्रकार कुछ भी प्राप्त किया जाता है। आप किसी के साथ भी सन्निकटता प्राप्त करने में मास्टर है तथा शक्ति एवं अधिकृत पद प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय में कैसे उन्नति कर सकते हैं इस युक्ति पर आपको पूर्ण आस्था है। साथ ही आप चिकनी चुपड़ी एवं मीठी-मीठी बातें कर जनसामान्य को अपने वाक्य जाल में फंसा कर अपने प्रति विश्वासी बना लेते हैं। वास्तविकता तो यह है कि आप बाहर से और तथा अंदर हृदय से कुछ और है। आपके वाह्याचरण एवं अंतरंगता में भिन्नता है।

आप अपनी कार्य योजना के गुप्त रहस्यों को स्वयं जानते हो क्योंकि आप अपने अनुकूल समर्थ किसी अन्य को नहीं समझते। इससे आपको आश्चर्यजनक अनुकूलता प्राप्त होती है तथा अकस्मात् उछलकर अपने लक्ष्य की पूर्ति के लिए सुगमतापूर्वक कार्य संपादन कर लेते हैं।

आप में व्यक्तिगत रूप से उच्च महत्वकांक्षा विद्यमान हैं। आपका मुख्य उद्देश्य धन प्राप्त करना है। आप अपनी उपलब्धि के प्रति अपने मस्तिष्क में कोई बल नहीं देते। अर्थात् कोई विशेष चिंतनशील नहीं बनते हैं।

यदि ऐसी परिस्थिति आ जाय कि कोई व्यक्ति अनैतिकपूर्ण आचरण अर्थात् बेईमानी करें तो उसके प्रति प्रतिशोधात्मक रवैया अपनाकर, उसे प्रताड़ित करने अर्थात् सताने लगते हैं। यदि एक बार आप हिंसक प्रवृति अपना लेते है तो फिर आप जहरीले बिच्छू की भांति सतत् उस व्यक्ति को संतप्त करते रहते हैं।

आप भूमि से संबंधित व्यवसाय कर सकते हैं। यथा कृषिकार्य, खदान में खनिज खनन का कार्य, भूमि के नीचे अभियंत्रिकी कार्य आदि जो आपको उपयुक्त लगे वह कार्य कर सकते हैं। आप अभिनय कार्य अथवा कलाभवन अर्थात् साज-शय्या संबंधी कार्य में विशिष्टता प्राप्त कर सकते हैं।

आप परिवारिक जीवन से युक्त रहने को महत्त्व देते हैं। आप अपनी प्यारी पत्नी एवं समझदार अर्थात् उदीयमान पुत्र से युक्त अपना परिवारिक जीवन यापन हेतु उत्सुक रहते हैं।

आप अपनी आगामी कार्य योजना की अच्छी शुरूआत हेतु आश्वस्त रहते हैं। आप अपनी जीवन संगिनी की उपुयक्ता हेतु जिसका जन्म वृश्चिक, मीन, कर्क, कन्या, मकर अथवा वृष राशि में हुआ है वह जीवन संगिनी आपके लिए अच्छी रहेगी। तब आप उस पत्नी को अपने योग्य चयन कर सकते हैं जो आपको अच्छी संतान एवं सुखमय परिवार का आनंद दे सकती है।

आपके लिए अनुकूल रंग जो जीवन में अनिवार्यता की भूमिका प्रदान कर सके। उस रंग यथा पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंगों का चयन एवं पसंद कर सकते हैं परंतु सफेद रंग, हरा एवं नीला रंग अनुपयुक्त एवं त्याज्यनीय है।

अंकों में 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक आपके लिए अनुकूल है, परंतु 5, 6 एवं 8 अंक सर्वथा अनुपयुक्त है।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।